डा॰ गिरजा उराँव
एसोसिएट प्रो॰
R.M.C. सासाराम

बी॰ ए॰ पार्ट - III Hons
सत्र - 2019 - 20
विषय :- PSY paper V

CLASSMATE
Date ______
Page ______

8. विश्वसनीयता (Reliability) :- प्रयोगशाला विधि की विश्वसनीयता दूसरी विधियों की अपेक्षा अधिक है। कारण इस विधि में पूर्ण नियंत्रण संभव होता है जबकि दूसरी विधियों में या तो नियंत्रण संभव नहीं होता है या केवल आंशिक नियंत्रण रहता है।

प्रयोगशाला- प्रयोग विधि के दोष या सीमाएँ (Demerits or limitations of lab-experiment Method) :- समाज मनोविज्ञान की प्रयोगशाला प्रयोग-विधि में उपर्युक्त गुणों के होते हुए भी निम्नांकित दोष पाये जाते हैं।

1, लचीलापन का अभाव (Lack of Flexibility) :- इस प्रयोग विधि में यथार्थता अधिक होने के कारण लचीलापन का अभाव हो जाता है। प्रयोगकर्ता के लिए यह संभव नहीं होता है कि वह आवश्यकता अनुसार अपनी कार्यविधि में परिवर्तन लाये।

2. कृत्रिमता (Artificiality) :- इस विधि में कठोर नियंत्रण होने के कारण परिस्थिति कृत्रिम Artificial तथा अस्वाभाविक (Unnatural) बन जाती है। ऐसी परिस्थिति में अध्ययन करके प्राप्त होने वाले परिणाम संदिग्ध doubtful) हो जाते हैं।

3. वास्तविकता का अभाव (Lack of realism) इस प्रयोग विधि में कठोर नियंत्रण होने के कारण अध्ययन परिस्थिति अस्वाभाविक तथा कृत्रिम बन जाती है। दूसरे शब्दों में अध्ययन-परिस्थिति की वास्तविकता घट जाती है। अतः अध्ययन तथा प्राप्त परिणाम की वास्तविकता भी घट जाती है।

4. **सीमित क्षेत्र (Limited Scope)** :- इस प्रयोग विधि का क्षेत्र बहुत सीमित है इसके द्वारा सभी सामाजिक समस्याओं का अध्ययन संभव नहीं हैं क्योंकि सभी सामाजिक परिस्थितियों पर पूरा नियंत्रण हासिल करना संभव नहीं है।

5. **जटिल सामाजिक समस्याओं के लिए अनुपयुक्त (Inappropriate for complex Social problems)** :- समाज मनोविज्ञान की दृष्टि से इस विधि का एक गम्भीर दोष यह है कि इसके द्वारा जटिल सामाजिक समस्याओं का अध्ययन संभव नहीं है। करालोग (1964) ने कहा है कि समूहों की गतिकी (Dynamics) तथा पारस्परिक क्रिया आदि समस्याओं के अध्ययन में प्रयोगशाला प्रयोग-विधि सफल नहीं है।

6. **प्रयोज्य-पक्षपात (Subject bias)** :- प्रयोगात्मक विधि के परिणामों पर प्रयोज्य पक्षपात का भी प्रभाव पड़ता है। प्रयोज्य यह जानता है कि वह प्रयोग या शोध का एक अंग है। इसलिए वह जानबूझ कर सही प्रतिक्रिया या वांछित प्रतिक्रिया प्रकट करने का प्रयास करता है।

7. **प्रयोगकर्ता-पक्षपात (Experimenter bias)** : इस विधि से प्राप्त परिणामों पर प्रयोगकर्ता के व्यक्तिगत पक्षपातों का प्रभाव पड़ सकता है।